

संस्थान की गतिविधियों में हिन्दी

मद्रास अनुसंधान केंद्र में समुद्री मछली अवतरण के आकलन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

भा कृ अनु प – केन्द्रीय समुद्री मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान के मद्रास अनुसंधान केंद्र ने दिनांक 6-10, मई 2019 के दौरान 'तमिलनाडु के समुद्री मछली अवतरण के आकलन को बढ़ती कणिकता एवं सटीकता सहित सुधारने हेतु विकसित तरीके एवं उपकरण का अनुप्रयोग' पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम निधिबद्ध परियोजना मात्स्यिकी प्रबंधन के लिए टिकाऊ आजीविका तमिलनाडु के समुद्री मछली अवतरण के आकलन के भाग के रूप में आयोजित किया गया और इस में मात्स्यिकी विभाग, तमिल नाडु सरकार के अधिकारियों को दिया गया वर्धित प्रतिचयन प्रशिक्षण भी सम्मिलित था।

प्रशिक्षण में प्रदर्शनी कार्यप्रणाली, एनमीन ऐप का सॉफ्टवेयर अनुप्रयोग, विश्लेषण एवं आकलन, आकलन प्रक्रिया पर व्यावहारिक प्रशिक्षण, विविध संपदाओं (मोलस्कन, तलमज्जी, वेलापवर्ती एवं क्रस्टेशियन) की पहचान के लिए युक्तियाँ निहित थीं। डॉ. जे. जयशंकर, प्रधान वैज्ञानिक, एफ आर ए प्रभाग, कोच्ची एवं एफ आइ एम एस यु एल-11, घटक-111 का नोडल अधिकारी, डॉ. एम. शिवदास, प्रधान वैज्ञानिक, डॉ. पी. टी. शारदा, प्रधान वैज्ञानिक, डॉ. शोभा किष्कूडन, प्रधान वैज्ञानिक, डॉ. ई. एम. चंद्रप्रज्ञदर्शिनी, वैज्ञानिक, श्री डी. पुगषेदी, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी, श्री वी. जोसफ सेवियर, वरिष्ठ तकनीशियन, श्री एन. रुद्रमूर्ती, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी ने सत्रों का संचालन किया। प्रशिक्षण के सहभागियों को द्विभाषी रूप में तैयार किए गए प्रमाण पत्रों का वितरण किया गया।

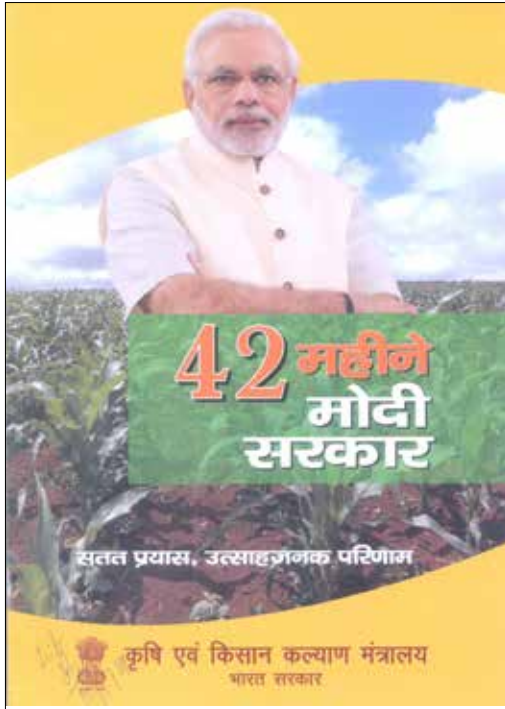


प्रमाण पत्र वितरण

मंत्रालय की पुस्तिका में सी एम एफ आर आइ की उपलब्धियाँ

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रकाशित मोदी सरकार के 42 महीने और मोदी सरकार

के 4 साल नामक पुस्तिकाओं में सी एम एफ आर आइ द्वारा विकसित उत्पादों और पिंजरा मछली पालन प्रौद्योगिकी पर प्रकाश डाला गया है।



मछली के उत्पाद और मूल्यन काफ़ी उष्ण गिरने को विजाइन किया गया

वर्ष	मछली उत्पाद	मछली उत्पाद एवं मूल्यन
2014-15	22	28
2016-17 (जून तक)	10	38

मछली आहार विकसित किया गया

वर्ष	मछली आहार
2014-15	11
2016-17 (जून तक)	21

भारत से खोजी गई मछली की प्रजातियों का संरक्षण- वर्णन और उनसे पोषक औषधीय पदार्थों का विकास

वर्ष	मछली आहार	मछली के पोषक/औषधीय
2014-15	6	11
2016-17 (जून तक)	1	6

जलीय जीवों से पोषक औषधीय पदार्थों (एन्टीबयोटिक्स) का विकास

मानव स्वास्थ्य के लिए विषैले पदार्थ मछली के शैथिल्य एवं मृत्युसुदृक्कता के कारण विकसित किए गए तथा उनका दवा/औषधीय बन कर विकसित किया गया, जिसने विनाशकारी प्रभावित है।

- दर एवं अर्थव्यय के लिए-डीन मसल डार्क (कवलयीय- जीएनडी), डीन मसल डार्क (कवलयीय- जीएनडी)
- समुद्री खरखारण एंटीबायोटिक डार्क (कवलयीय- जीएनडी)-टाइप-2, आइसोटॉप के लिए एक टीन औषधि
- समुद्री खरखारण सीटान-सीटी डार्क (कवलयीय- जीएनडी)-टीएन/ फिलिपिनेसिया को रोकने के लिए एक म्यूटारसुदृक्कता प्रसाद
- सुमन्येकताय बढ़ाने के लिए- समुद्री खरखारण म्यूटारसुदृक्कता से 'म्यूटिडिज'

समुद्र विज्ञान विज्ञान मछली पालन-एक विशिष्ट उपलब्धि

- कोरिया (रिचिबेट्टींग कोनाइंग) और सिल्वर पोम्पनी (ट्रैपीनोटस ब्लोपी) का समुद्री विज्ञान मछली-प्रौद्योगिकी कर प्रदर्शन
- 6 महीने में 3.0 टन का औसत उत्पादन सार प्रदर्शित किया गया (6 मी. व्यास x 6 मीटर गहरा) 25-30 कि.घा./मै.
- कोरिया और पोम्पनी के लिए उत्पादन की लागत 180 रु. प्रति कि.घा.। डार्क के लिए पर मूल्य 350/- प्रति कि.घा. (कोरिया) और 300/- रु. प्रति ग्राम (सिल्वर पोम्पनी)
- माकलानु-सेन्टीन समुद्री मछली अनुसंधान संस्थान की तकनीकी सहायता से सफल की समुद्री टट पर 1008 पिण्डे स्वामित्व किए गए जो अब माकलानु द्वारा प्रदर्शित किए जा रहे हैं।

समुद्री विज्ञान का प्रदर्शन

वर्ष	उत्पादन (टन)
2013-14	475
2017-18	1293

नई पीढ़ी के मछली पकड़ने के जहाज का विकास

नई पीढ़ी के डिजाइन, ईंधन-विशेषज्ञ और बहु-उपयोगी मछली पकड़ने का जहाज तैयार कर प्रयोग में लाना गया।

मछली पकड़ने के लिए (टोपिंग) फिश-बोटिंग और (ऑन-लाइनिंग) के लिए मछ-पकड़ने वाले मछली पकड़ने का जहाज